'*ह्यूमनकाइंड* ने मुझे चुनौती दी है और मनुष्यता को एक नये दृष्टिकोण से देखने को प्रेरित किया है'

–युवाल नोआ हरारी

'मैं इसे पढ़े जाने की ज़ोरदार और सहर्ष सिफ़ारिश करता हूँ'

–स्टीफ़न फ़्राय

'एक असाधारण पुस्तक'

–मैट हेग



ह्यूमनकाइंड

मानव-जाति का आशावादी इतिहास

SAMPLE PREVIEW

रुत्खेर ब्रेख़्मान

यूटोपिया फ़ॉर रियलिस्ट्स के बेस्टसेलिंग लेखक

अनुवाद : मदन सोनी

HINDI EDITION

पुस्तक की प्रशंसा में

“मनुष्य की जन्मजात अच्छाई और नैसर्गिक शालीनता में आस्था की असाधारण रूप से सशक्त घोषणा। कभी भी भावुकता, अवसाद या भोलेपन का शिकार हुए बिना रुत्ख़ेर ब्रेख़्मान प्रत्यक्ष तौर पर उपलब्ध विपरीत प्रमाणों के बावजूद इस विश्वास के पक्ष में मज़बूत और विश्वसनीय पक्ष तैयार करते हैं कि हम क्रूर, असाध्य रूप से लालची, हिंसक और लोभी प्रजाति नहीं हैं, जैसा कि हमें अपने बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।”

— स्टीफ़न फ़्राय

“मनुष्य से संबंधित हर क्रांति (और ठीक इस वक़्त हम ऐसी ही एक क्रांति से गुज़र रहे हैं) ‘मनुष्य’ शब्द के बारे में हमारे अभिप्राय की एक नई समझ लेकर आती है। रुत्ख़ेर ब्रेख़्मान मनुष्य के करुणामय होने के दृष्टिकोण को उसके पक्ष में एक बेहतर विज्ञान के साथ आवाज़ देते हुए इस वार्तालाप को पुनर्जाग्रत करने में सफल हुए हैं। यह पुस्तक हमें भविष्य के बारे में एक सच्ची उम्मीद प्रदान करती है।”

— ब्रायन ईनो

“ह्यूमनकाइंड हमें एक बेहतर समाज विकसित करने के लिए परस्पर सहयोग में विश्वास करने, दयालु होने और एक-दूसरे पर भरोसा करने के लिए दार्शनिक और ऐतिहासिक आधार उपलब्ध कराती है।”

— मेरियाना माज़ुकेटो, द वेल्यू ऑफ़ एवरीथिंग की लेखक

“कुछ पुस्तकें हमारे विचारों को चुनौती देती हैं, लेकिन ह्यूमनकाइंड उन आधारों को ही चुनौती देती है, जिन पर वे विचार टिके होते हैं। इसके निर्भीक, प्रभावशाली तर्क आपको समाज, लोकतंत्र और स्वयं मानव-स्वभाव के बारे में आपके विश्वासों पर पुनर्विचार के लिए बाध्य कर देंगे। मनुष्य के स्वार्थी होने की निराशावादी धारणा के समुद्र में यह उस मज़बूत और टिकाऊ जीवन-रक्षक नौका की तरह है, जिसकी दुनिया को बहुत ज़रूरत है।”

SAMPLE PREVIEW

Preview ends here

437 more page(s) in the full PDF.

Buy this PDF or take a subscription on Padhai Pitara to unlock.